‘जल दाह संस्कार’ - अंतिम संस्कार में शव दाह की नई तकनीक है जो पर्यावरण के लिए बेहतर है और इससे 4 गुना प्रदूषण कम होता है

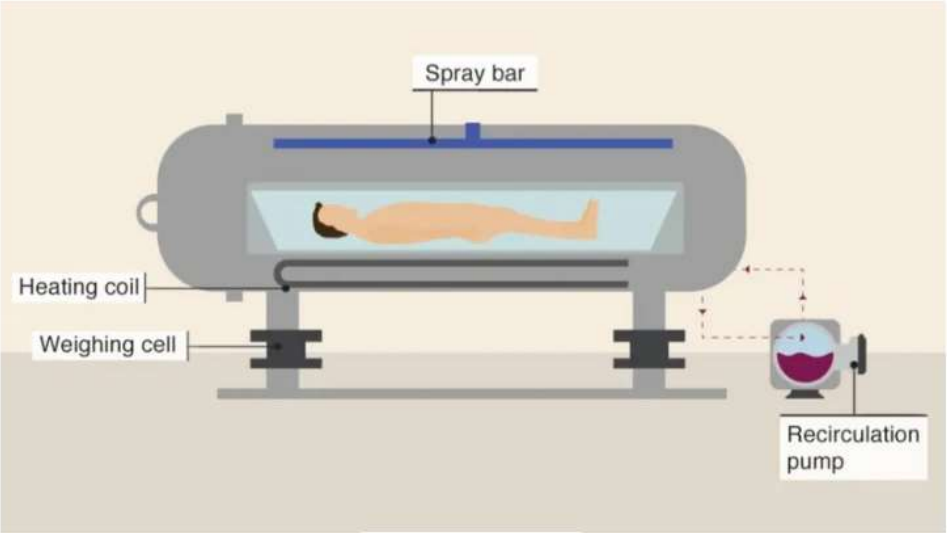

A water cremation machine image source: BBC

इन दिनों ब्रिटेन, आयरलैंड समेत अन्य यूरोपीय देशों में मृतकों का अंतिम संस्कार आधुनिक तकनीक से किया जा रहा है। इसे *जल दाह संस्कार* कहा जा रहा है। यूरोपीय देशों में निजी कंपनी जल दाह संस्कार (रेजोमेशन) कराती है। रेजोमेशन कंपनी *किंडली अर्थ* के निदेशक के अनुसार दशकों से लोगों के अंतिम संस्कार के दो ही विकल्प हैं - दफनाना और दाह-संस्कार; और अब हम एक नया विकल्प दे रहे हैं कि वे इस दुनिया को कैसे छोड़ें, क्योंकि यह प्राकृतिक प्रक्रिया (जल दाह संस्कार) आग का नहीं बल्कि *पानी का उपयोग करती* है, जिससे यह शरीर के लिए उत्तम और पर्यावरण के लिए सही है। ब्रिटेन में सबसे बड़े अंतिम संस्कार सेवा देने वाली कंपनी *को-ऑप फ्यूनरलकेयर* के अनुसार, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल होने से लोग जल दाह संस्कार को पसंद कर रहे हैं।

को-ऑप फ्यूनरलकेयर के कराए गए सर्वे में पता चलता है कि ब्रिटेन के 89% लोगों ने *रेजोमेशन* शब्द को सुना ही नहीं था। लेकिन बताने के बाद 29% ने कहा कि वे इसे अपने अंतिम संस्कार के लिए चुनेंगे।

जल दाह संस्कार की प्रकिया

जल दाह संस्कार को एक्कामेशन, रेजोमेशन और अल्कालाइन हाइड्रोलिसिस के नाम से भी जाना जाता है। इस तकनीक में शवों पानी और क्षारीय घोल से भरे स्टील के बने बर्तन में रखा जाता है । फिर इसे गर्म किया जाता है, जो मांस को उसके रासायनिक घटकों - एमीनो एसिड, पेप्टाइड्स, शर्करा और नमक में बदल देता है। इसमें तीन से चार घंटे लगते हैं । फिर बची हुई हड्डियों को पीसकर पावडर बना लिया जाता हैं। इसे कलश में रखा जाता है और परिवार को दे दिया जाता है।

अगर प्रदूषण की बात करें तो एक पारंपरिक दाह संस्कार से लगभग 245 किलो कार्बन उत्सर्जन उत्पन्न होता है, जो आपके स्मार्टफोन को 29,000 से अधिक बार चार्ज करने के बराबर है। अमेरिका, कनाडा और दक्षिण अफ्रीका में पहले से ऐसा हो रहा है; बेल्जियम और नीदरलैंड भी जल दाह संस्कार शुरू करने जा रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद विरोधी नेता डेसमंड टूटू का 2021 में मृत्यु के बाद जल दाह संस्कार किया गया था।

Source - Dainik Bhaskar